बराक PDMS: नौसैनिक वायु-रक्षा का उन्नयन

समाचार-संदर्भ: 18 नवंबर 2026 | **प्रकाशन:** 19 नवंबर 2026
प्रिलिम्स: रक्षा प्रणालियाँ, भारतीय नौसेना, रक्षा खरीद



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

- खबरों में क्यों
- अनुबंध में क्या शामिल है
- 'उन्नयन' और 'नई खरीद' का अंतर
- परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य
- प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न
- स्रोत

नौसैनिक प्लेटफॉर्म के रखरखाव से जुड़ा लेख: **INS Betwa री-पावरिंग: कोचीन शिपयार्ड से 498.58 करोड़ का अनुबंध**

खबरों में क्यों

रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के जहाज़ों पर लगे बराक पॉइंट डिफेन्स मिसाइल सिस्टम (PDMS) के उन्नयन और पुरानी पड़ती तकनीक के प्रबंधन के लिए इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ (IAI) के साथ **₹1,976.40 करोड़** का अनुबंध किया है। अनुबंध 18 नवंबर 2026 को नई दिल्ली में रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की उपस्थिति में हुआ।

अनुबंध में क्या शामिल है

दायरा: प्रणाली के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दोनों का व्यापक उन्नयन किया जाएगा। हार्डवेयर से आशय उसके भौतिक उपकरणों और सॉफ्टवेयर से उन्हें संचालित करने वाले प्रोग्रामों से है।

उद्देश्य: रक्षा मंत्रालय ने नौसैनिक प्लेटफॉर्म की विमान-रोधी रक्षा क्षमता बेहतर करने की बात कही है। उपलब्ध विज्ञप्ति इस क्षमता की संख्यात्मक मारक दूरी नहीं बताती।

प्रक्रिया: अनुबंध में प्रयुक्त खरीद प्रक्रिया का नाम **Other Capital Procurement Procedure** है। परीक्षा में इसे किसी अन्य खरीद श्रेणी का नाम देकर न लिखें।

'उन्नयन' और 'नई खरीद' का अंतर

इस समाचार का केंद्र जहाज़ों पर पहले से लगी प्रणाली है। इसलिए इसे उतनी ही राशि के नए युद्धपोतों या नई मिसाइलों की निश्चित संख्या की खरीद मानना गलत होगा। सरकार की विज्ञप्ति में जहाज़ों की संख्या, मिसाइलों की संख्या और आपूर्ति पूरी होने की तारीख़ नहीं दी गई है।

'Obsolescence management' का सामान्य आशय पुरानी पड़ती तकनीक और उपकरणों की समस्या को संभालना है। इस अनुबंध के संदर्भ में मंत्रालय ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के व्यापक उन्नयन को स्पष्ट किया है। इससे आगे कौन-से हिस्से बदले जाएँगे, इसका दावा उपलब्ध सूचना से नहीं किया जाना चाहिए।

परीक्षा के लिए मुख्य तथ्य

बिंदु	सत्यापित जानकारी
प्रणाली	बराक पॉइंट डिफेन्स मिसाइल सिस्टम
उपयोगकर्ता	भारतीय नौसेना के जहाज़
अनुबंधकर्ता	रक्षा मंत्रालय और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़
कुल लागत	₹1,976.40 करोड़
अनुबंध की तारीख़	18 नवंबर 2026
स्थान	नई दिल्ली
घोषित काम	हार्डवेयर-सॉफ्टवेयर उन्नयन और पुरानी पड़ती तकनीक का प्रबंधन

ध्यान रखें: केवल 'बराक' नाम देखकर किसी दूसरे संस्करण की मारक दूरी इस अनुबंध पर लागू न करें। इस समाचार की सरकारी पुष्टि का दायरा PDMS उन्नयन तक है।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. बराक PDMS उन्नयन अनुबंध के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: अनुबंध भारतीय नौसेना के जहाज़ों पर लगी प्रणाली से संबंधित है।
कथन 2: इसमें हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दोनों का उन्नयन शामिल है।
कथन 3: इसकी कुल लागत ₹1,976.40 करोड़ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (d)

कथन 1 सही है: विज्ञप्ति भारतीय नौसेना के जहाज़ों पर लगे PDMS का उल्लेख करती है।
कथन 2 सही है: व्यापक हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर उन्नयन अनुबंध का हिस्सा है।
कथन 3 सही है: घोषित कुल लागत ₹1,976.40 करोड़ है।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2. 18 नवंबर 2026 के बराक PDMS उन्नयन अनुबंध में रक्षा मंत्रालय की प्रतिपक्ष संस्था कौन है?

(a) इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़

(b) हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

(c) मझगाँव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड

(d) गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

अनुबंध रक्षा मंत्रालय और इज़राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज़ के बीच हुआ। अन्य विकल्प इस विशिष्ट अनुबंध के प्रतिपक्ष नहीं हैं।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

IAI की शुरुआत कब और किस काम से हुई थी?

कंपनी के अपने इतिहास के अनुसार, उसकी स्थापना 1953 में Bedek Aviation Company या Governmental Institute for Aviation के रूप में हुई थी। शुरुआती काम विमानों का रखरखाव और ओवरहॉल था।

IAI के इतिहास में बराक के परीक्षण का कौन-सा वर्ष दिया गया है?

कंपनी की ऐतिहासिक समयरेखा में नौसैनिक जहाज़ों की रक्षा वाली बराक प्रणाली का परीक्षण 1991 के अंतर्गत दर्ज है। यह भारतीय नौसेना में उसके शामिल होने की तारीख़ का दावा नहीं है।

स्रोत

- PIB: Ministry of Defence, 18 November 2026
- Israel Aerospace Industries: history

PCSMANTRA.COM